

भूमिसंरक्षण के लिये प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी संयुक्त राष्ट्र के पुरस्कार से सम्मानति चर्चा में क्यों?

28 सितंबर, 2021 को राजस्थान के प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी को भूमिसंरक्षण हेतु विश्व के सर्वोच्च पुरस्कार 'लैंड फॉर लाइफ अवॉर्ड' (Land for Life Award) से नवाजा गया।

- चीन के बून में आयोजित ऑनलाइन वैश्विक समारोह में अंतरराष्ट्रीय श्रेणी के तहत पारिवारिक वानिकी के लिये उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रमुख बडि

- प्रो. ज्याणी को 17 जून, 2021 को कोस्टारिका में [विश्व मरुस्थलीकरण दविस](#) के वैश्विक आयोजन में भूमिसंरक्षण में अति विशिष्ट योगदान हेतु वजिता घोषति किया गया था।
- **मई 2022 में अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट में** सदस्य देशों के वैश्विक सम्मेलन में प्रो. ज्याणी को विशेष उद्बोधन हेतु आमंत्रति किया जाएगा और उन्हें यह ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।
- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिसंरक्षण संबंधी इकाईयूएनसीसीडी द्वारा **प्रति दो वर्ष के अंतराल पर भूमिसंरक्षण में अति विशिष्ट योगदान हेतु दुनिया भर से किसी एक व्यक्तिया संगठन को यह पुरस्कार दिया जाता है।**
- **संयुक्त राष्ट्र** की ओर से **भूमिबहाली और संरक्षण वधियों में नवाचार के लिये अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन संस्थाओं, व्यक्तियों को पुरस्कृत किया जाता है**, जो पर्यावरण और समुदायों की भलाई को बढ़ावा देते हुए उनके साथ संबंधों को बेहतर बनाते हैं। इसके तहतचीन के **सैहानबा फॉरेस्ट को राष्ट्रीय श्रेणी के तहत पुरस्कार** दिया गया।
- प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी श्रीगंगानगर ज़िले की रायसहि नगर तहसील के गाँव 12 टीके के नवासी हैं और वर्तमान में बीकानेर के राजकीय डूंगर कॉलेज में समाजशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।
- प्रोफेसर ज्याणी पछिले 20 वर्षों से गाँव-दर-गाँव लोगों, स्कूली वदियारथियों व शकिषकों के बीच जाकर उन्हें पेड़ एवं पर्यावरण के बारे में समझाने और अपनी तनख्वाह से पश्चिमी राजस्थान की रेगसितानी भूमि में लाखों पेड़ लगवाने जैसे उत्कृष्ट कार्य करते आ रहे हैं।